>

Title : Regarding Guna-Etawah railway line.

श्री अशोक अर्गल : उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर मध्य रेलवे की एक गुना-इटावा रेल परियोजना स्वीकृत हुई थी। यह परियोजना 25 साल पहले तात्कालिक रेल मंत्री माननीय माधवराव सिंधिया जी ने शुरू की थी। लेकिन बड़े दुख की बात है कि यह परियोजना आज तक पूरी नहीं हुई। माननीय सिंधिया जी ने यह परियोजना ग्वालियर तक शुरू कर दी, उसके बाद यह ग्वालियर से भिंड तक पहुंच गई।

लेकिन भिंड से इटावा तक मात्र 18 किलोमीटर का मार्ग है, जो सात-आठ साल में भी पूरा नहीं हुआ है।

माननीय उपाध्यक्ष जी, देश कहां से कहां पहुंच गया? आज ओएनजीसी कितनी गहराई से तेल निकालते हैं। दिल्ली में मेट्रो ने पिछले दस साल मे कितना विकास किया है, लेकिन मात्र 18 किलोमीटर का मार्ग अभी तक पूरा नहीं हुआ है। इस विलंब के कारण रेलवे को जितना नुकसान हुआ है, उसकी कोई सीमा नहीं है। वे अधिकारी जो लाखों रुपये वेतन लेते हैं, उनके खिलाफ भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मैं चाहता हूं कि जिन लोगों के कारण इस परियोजना में विलंब हुआ है, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस रेल परियोजना के लिए जल्द से जल्द समय सीमा तय की जाये और जो अधिकारी दोषी हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

माननीय उपाध्यक्ष जी, यदि यह रायबरेली या अमेठी होता, तो सरकार इसमें विलंब नही लगाती । यह बड़े दुख की बात है।...(व्यवधान) जब सिंधिया जी थे, तब उन्होंने ग्वालियर की चिन्ता की। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : अशोक अर्गल जी, साढ़े तीन से ऊपर समय हो गया है इसलिए अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री अशोक अर्गल : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इस परियोजना को शीघ्र पूरा कराया जाये। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

SHRI V. NARAYANASAMY: Hon. Deputy-Speaker, Sir, there are five or six more Members who have to make their submissions during the 'Zero Hour'. If the House agrees, we can extend the time by 15 minutes; thereafter we will take up the Private Members' Business.

उपाध्यक्ष महोदय : अगर हाउस की सहमति हो, तो जीरो ऑवर का समय 15 मिनट के लिए और बढ़ा दिया जाये।

â€¦(व्यवधान)

श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी): ठीक है, आप इसे जल्दी-जल्दी खत्म कराइये, क्योंकि साढ़े तीन बजे से प्राइवेट मैम्बर्स बिजनेस शुरू होना है, इसलिए सभी माननीय सदस्य बैठे हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप क्यों डिस्टर्ब कर रहे हैं? हमने समय बढ़ाया है फिर भी आप सब बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)